RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

RIICO missiongyan

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-10वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

सामाजिक विज्ञान

वन एवं वन्य जीव संसाधन
Forest and Wildlife Resources



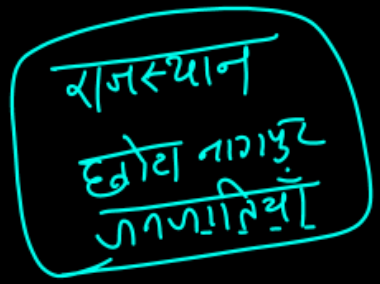
CHAPTER -02 | PART-04

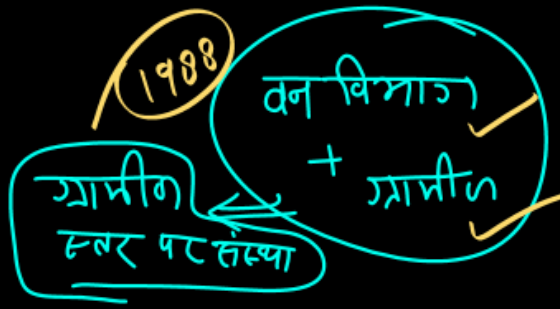
एकदम बेसिक से थ्योरी क्लास!

13 अगस्त 2026 || 06:00 PM

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





आज क्या पढेंगे ?

1. समुदाय और वन संरक्षण
2. संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम (JFM)
3. पवित्र पेड़ों के झुरमट - विविध और दुर्लभ जातियों की संपत्ति

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समुदाय व वन संरक्षण

राजस्थान

- विश्नोई
  - परिवार के सदस्य
  - हिरण, चिंकारा, मोर, नीलगाय
  - खेजड़ी वृक्ष कटाई नहीं

भारत → लड़ियों ने संरक्षण

- पूजा उपासना
- छोटा नागपुर का पठार
  - मुण्डा व संथाल जनजातियाँ
    - महुआ व कदम्ब वृक्ष की पूजा

बिहार व ओडिशा

- आम व इमली → शादी के अवसर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त वन प्रबन्धन कार्यक्रम (JFM)

- वनों के संरक्षण हेतु
  - वन्यजीव
  - वन विभाग + ग्रामीण लोग
    - ग्रामीण स्तर पर लक्ष्य ⇒ संरक्षण व प्रबंधन
- औपचारिक शुरुआत ⇒ 1988 ⇒ ओडिशा

सरकार या

1. आरक्षित वन
2. रक्षित "
3. अवर्गीकृत "
   - स्थानीय समुदाय द्वारा प्रबंधन

mg



समुदाय और वन संरक्षण

- वन संरक्षण की नीतियाँ हमारे देश में कोई नई बात नहीं है।
- वन हमारे देश में कुछ मानव प्रजातियों के आवास भी हैं।
- भारत के कुछ क्षेत्रों में तो स्थानीय समुदाय, सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर अपने आवास स्थलों के संरक्षण में जुटे हैं। क्योंकि इसी से ही दीर्घकाल में उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सरिस्का बाघ रिज़र्व (राजस्थान) में के गाँवों के लोग वन्य-जीव रक्षण अधिनियम के तहत वहाँ से खनन कार्य बन्द करवाने के लिए संघर्षरत हैं।
- राजस्थान के अलवर जिले में 5 गाँवों के लोगों ने तो 1,200 हेक्टेयर वन भूमि भैरोंदेव डाकव 'सोंचुरी' घोषित कर दी जिसके अपने ही नियम कानून हैं; जो शिकार वर्जित करते हैं तथा बाहरी लोगों की घुसपैठ से यहाँ के वन्य जीवन को बचाते हैं।



चिपको आंदोलन (हिमालय)

- कई क्षेत्रों में वन कटाई रोकने में ही कामयाब रहा।
- स्थानीय पौधों की जातियों को प्रयोग करके सामुदायिक वनीकरण अभियान को सफल बनाया।

टिहरी में किसानों का बीज बचाओ आंदोलन और नवदानय ने दिखा दिया है कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के बिना भी विविध फसल उत्पादन द्वारा आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि उत्पादन संभव है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम (JFM)

- भारत में क्षरित वनों के प्रबंध और पुनर्निर्माण में स्थानीय समुदायों की भूमिका के महत्त्व को उजागर करते हैं।
- औपचारिक रूप में इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1988 में हुई जब ओडिशा राज्य ने संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पास किया।
- वन विभाग के अंतर्गत 'संयुक्त वन प्रबंधन' क्षरित वनों के बचाव के लिए कार्य करता है।

Q.① संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम किस प्रकार के वनों के संरक्षण व प्रबंधन हेतु संचालित किया जाता है?

Ans. धारित वनों के प्रबंधन व इन्हे पुनर्निर्मित करने हेतु

Q.② संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम में वनो का प्रबंधन किस प्रकार किया जाता है?

Ans →

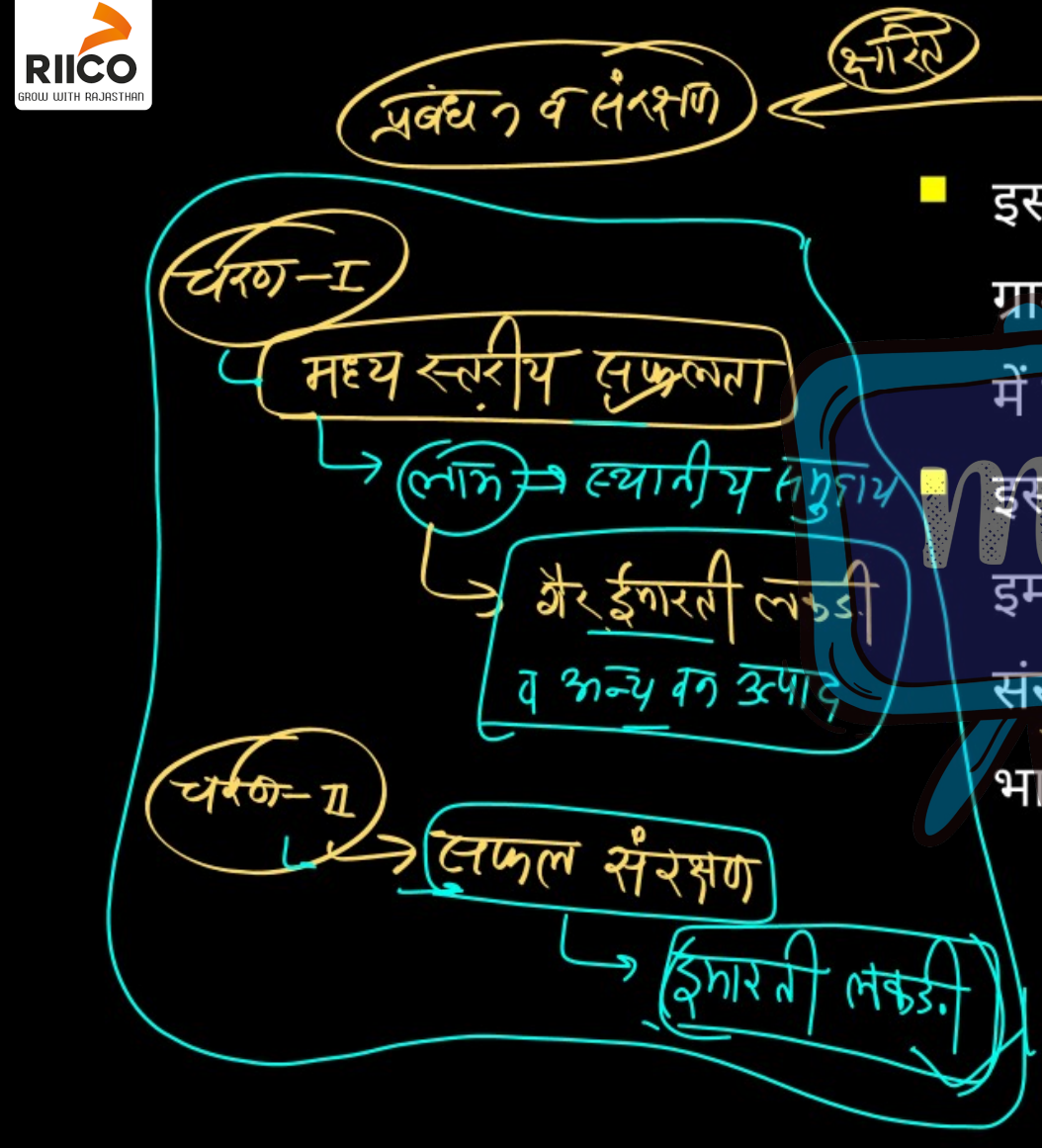
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इसमें गाँव के स्तर पर संस्थाएँ बनाई जाती हैं जिसमें ग्रामीण और वन विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप में कार्य करते हैं।
- इसके बदले ये समुदाय मध्य स्तरीय लाभ जैसे गैर-इमारती वन उत्पादों के हकदारी होते हैं तथा सफल संरक्षण से प्राप्त इमारती लकड़ी लाभ में भी भागीदार होते हैं।

Q.3 JFM कार्यक्रम की सफलता से विभिन्न स्तरों पर स्थानीय समुदाय किस प्रकार वन उत्पादों का उपयोग करते हैं?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पवित्र पेड़ों के झुरमुट

(देवी-देवताओं के वन)



या तो
स्थानीय लोगों का प्रवेश वर्जित

या
केवल स्थानीय लोगों का प्रवेश

(पन क्षेत्र)

बाहरी लोगों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पवित्र पेड़ों के झुरमट - विविध और दुर्लभ जातियों की संपत्ति

- प्रकृति की पूजा सदियों पुराना जनजातीय विश्वास है, जिसका आधार प्रकृति के हर रूप की रक्षा करना है।
- इन्हीं विश्वासों ने विभिन्न वनों को मूल रूप में बचाकर रखा है, जिन्हें पवित्र पेड़ों के झुरमुट (देवी-देवताओं के वन) कहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ऐसे वनों में स्थानीय लोग न तो खुद घुसते है तथा न ही किसी और को छेड़छाड़ करने देते है ।
- कुछ समाज कुछ विशेष पेड़ों की पूजा करते हैं और आदिकाल से उनका संरक्षण करते आ रहे हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- आप अनेक मंदिरों के आस पास बंदर और लंगूर पाएँगे। उपासक उन्हें खिलाते- पिलाते हैं और मंदिर के भक्तों में गिनते हैं।
- भारतीय समाज में अनेकों संस्कृतियाँ हैं और प्रत्येक संस्कृति में प्रकृति और इसकी कृतियों को संरक्षित करने के अपने पारंपरिक तरीके हैं।
- आमतौर पर झरनों, पहाड़ी चोटियों, पेड़ों और पशुओं को पवित्र मानकर उनका संरक्षण किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

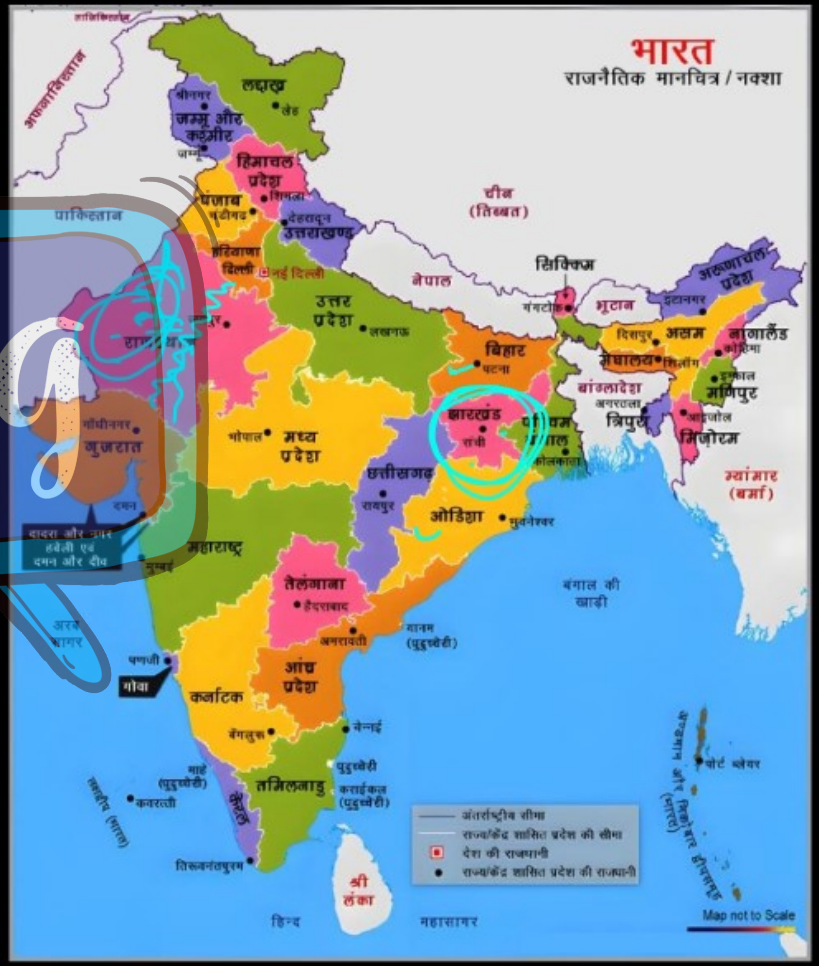
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- **छोटानागपुर क्षेत्र** में मुंडा और संथाल जनजातियाँ महुआ और कदंब के पेड़ों की पूजा करते हैं।
- **ओडिशा और बिहार** की जनजातियाँ शादी के दौरान इमली और आम के पेड़ की पूजा करती हैं।
- हममें से बहुत से व्यक्ति पीपल और वटवृक्ष को पवित्र मानते हैं।
- **राजस्थान** में बिश्नोई गाँवों के आस पास आप काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय और मोरों के झुंड देख सकते हैं जो वहाँ के समुदाय का अभिन्न हिस्सा हैं और कोई उनको नुकसान नहीं पहुँचाता।

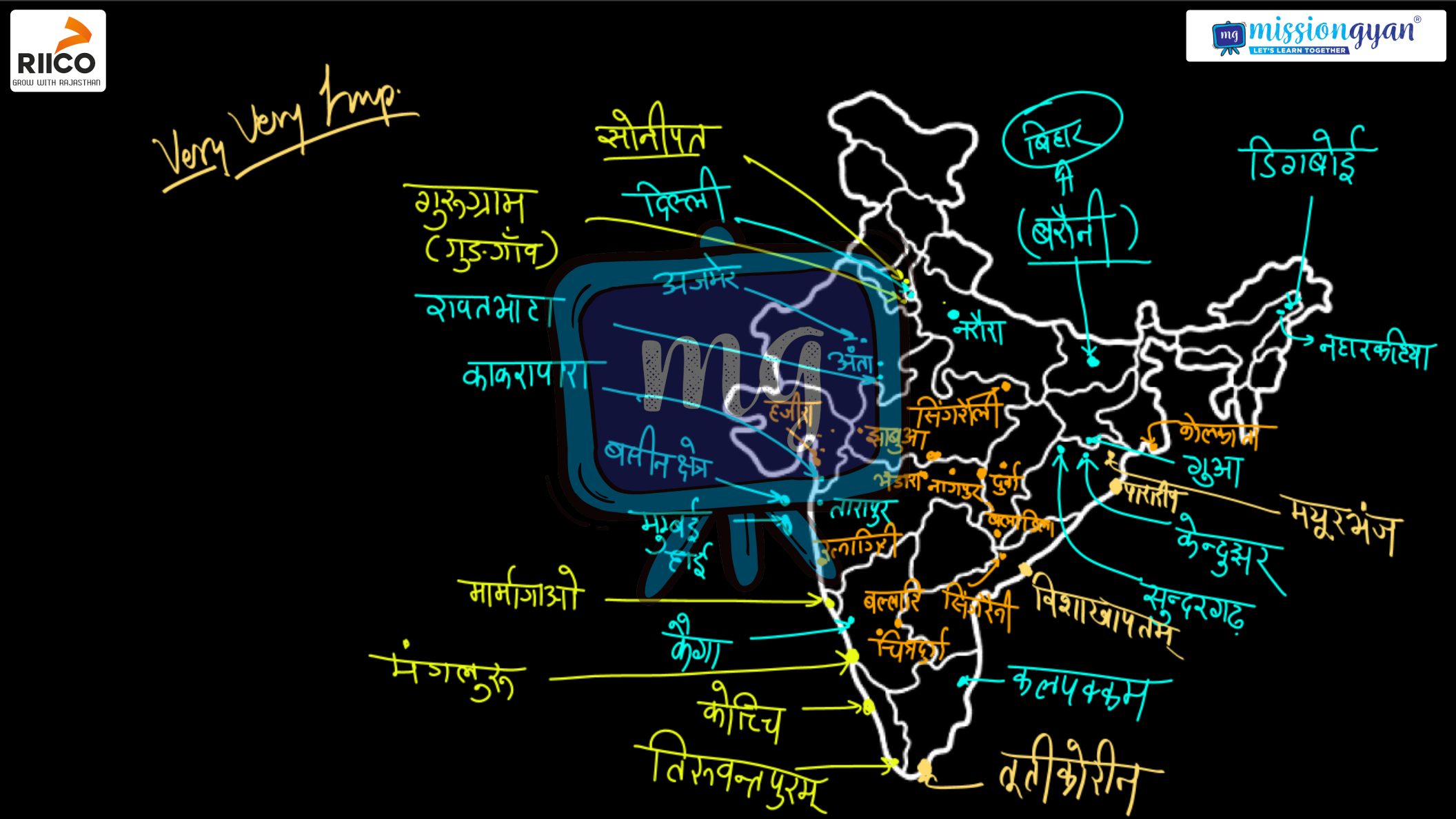
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

